जोड़ पाना बहुत बड़ी चुनौती है।

नई प्रणाली में ढल रहे विद्यार्थी व शिक्षक

प्रियंका दुबे मेहता • गुरुग्राम

जिले के लगभग सभी स्कूलों ने ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी हैं। ऐसे में विद्यार्थी, अध्यापक और अभिभावक कई तरह की चुनौतियों के बीच किसी तरह ऑनलाइन पाठशाला का संचालन और सहयोग कर रहे हैं। डीपीएस, डीएवी, सलवान, एमिटी, मानव रचना, ब्लू बेल्स, सीसीए और माउंट ओलंपस सहित लगभग सभी निजी और सरकारी स्कूलों में ऑनलाइन शिक्षण हो रहा है।

अपना शत-प्रतिशत देते शिक्षक: गुरुग्राम में 560 सरकारी और तकरीबन 400 निजी स्कूल हैं जिनमें ऑनलाइन शिक्षा चल रही है। शिक्षकों के सामने शुरुआत में चुनौतियां आ रही थीं। अब इस प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है और शिक्षक भी इस प्रणाली में ढल गए हैं।

विद्यार्थियों में उत्साह: विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा को लेकर कुछ दिक्कतें आ रही थी लेकिन अब वे भी इसे अपना चुके हैं। अब बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई को गंभीरता से लेने लगे हैं। अभी लॉकडाउन की तिथि को लेकर संशय बरकरार है ऐसे में बच्चों के टेस्ट, प्रैक्टिकल और परीक्षाओं के फॉर्मेट में भी बदलाव किया जा रहा है। बच्चे अब ऑनलाइन ही सभी गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं।

अभिभावक हैं संतुष्ट : अभिभावकों की मानें तो वे ऑनलाइन कक्षाओं को लेकर थोड़े चिंतित हैं लेकिन इस बात से संतुष्ट हैं कि इन कक्षाओं में बच्चे व्यस्त हैं और कुछ तो हो रहा है। उनका कहना है कि ऑनलाइन शिक्षा स्कूली कक्षाओं की एक अस्थाई व्यवस्था जरूर हो सकती है लेकिन उसका विकल्प नहीं।

> सरकारी व निजी दोनों ही स्कूलों में ऑनलाइन पठन-पाठन निर्बाध रूप से जारी है। शिक्षक अपना शत-प्रतिशत दे रहे हैं ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। अभिभावक भी पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं जो काबिल ए तारीफ है।
>
> के. इंदू बोकन, जिला शिक्षा अधिकारी

> शुरुआत में विद्यार्थी और शिक्षक दोनों को इस नए तरीके से पठन-पाठन में थोड़ी असहजता महसूस हुई लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शिक्षक भी पूरी तैयारी और धैर्य के साथ पढ़ा रहे हैं और विद्यार्थी भी इसे स्कूल रुटीन के हिस्से की तरह गंभीरता से ले रहे हैं। अदिति मिश्रा, डायरेक्टर प्रिंसिपल, डीपीएस गुरुग्राम